Raj Express (Indore), 1st June 2026, Page- 04

एक्सपर्ट के सुझाव - बीटेक ही नहीं, कम रैंक पर भी आईआईटी तक पहुंचने के हैं कई रास्ते

● इंदौर / पीयूष मौर्य

जेईई एडवांस-2026 का रिजल्ट आज प्रस्तावित है। रिजल्ट के बाद अधिकांश छात्र और अभिभावक आईआईटी में बी.टेक प्रवेश को ही सफलता का अंतिम लक्ष्य मानते हैं, लेकिन शिक्षा और करियर विशेषज्ञों का कहना हैं कि आईआईटी और देश के अन्य शीर्ष संस्थानों में करियर बनाने के लिए केवल बी.टेक ही एकमात्र विकल्प नहीं है। कम रैंक आने या चयन नहीं होने की स्थिति में छात्रों को निराश होने के बजाय उपलब्ध वैकल्पिक पाठ्यक्रमों और संस्थानों की जानकारी लेकर अपने भविष्य की नई दिशा तय करनी चाहिए। आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), कम्प्यूटर साइंस और मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसी ब्रांच की मांग लगातार बढ़ रही है। इसलिए केवल संस्थान नहीं, बल्कि अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप ब्रांच का चयन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बी.एस. और बी.टेक दोनों पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को समान अवसर : एक्सपर्ट के अनुसार आईआईटी अब केवल इंजीनियरिंग शिक्षा तक सीमित नहीं रहे हैं। यहां विज्ञान, अनुसंधान और बहुविषयक अध्ययन से जुड़े कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। बी.एस. (बैचलर ऑफ साइंस) और बी.एस.-एम.एस. इंटीग्रेटेड जैसे पाठ्यक्रम छात्रों को शोध, उच्च शिक्षा और वैश्विक स्तर पर करियर बनाने के अवसर दे रहे हैं।

इन कार्यक्रमों में गणित, सांख्यिकी, डेटा साइंस और भौतिकी जैसे विषयों का गहन अध्ययन करवाया जाता है। पांच वर्षीय बी.एस.-एम.एस. कार्यक्रम छात्रों को मास्टर डिग्री के साथ शोध के क्षेत्र में भी मजबूत आधार प्रदान करता है। देश की प्रमुख तकनीकी कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के दौरान बी.एस. और बी.टेक दोनों पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को समान अवसर देती हैं।

कम रैंक पर प्रवेश के अवसर, इंटरडिसिप्लिनरी प्रोग्राम में

एक्सपर्ट के अनुसार इंटरडिसिप्लिनरी प्रोग्राम भी छात्रों के बीच तेजी से खास बन रहा है। इन पाठ्यक्रमों में विभिन्न विषयों का समन्वय होता है और अपेक्षाकृत कम रैंक पर भी प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। शोध, विश्लेषणात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने वाले यह कार्यक्रम भविष्य की जरूरतों के अनुरूप माने जा रहे हैं।

विदेश में पीएचडी या रिसर्च : ऐसे छात्र जो भविष्य में विदेशों में पीएचडी या रिसर्च करना चाहते हैं, उनके लिए बी.एस. और रिसर्च आधारित कार्यक्रम विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकते हैं। ऐसे पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय प्रयोगशालाओं, शोध सुविधाओं और अकादमिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करते हैं, जिससे उनका प्रोफाइल और संस्थागत ब्रांड वैल्यू मजबूत होती है।

पिछले सत्र के लिए थी 952 ओपनिंग रैंक

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए, आईआईटी इंदौर कुल 13 यूजी प्रोग्राम ऑफर कर रहा है, जिनमें 576 सीटें उपलब्ध हैं। संस्थान ने अपनी प्रवेश क्षमता में 80 सीटों की वृद्धि की है। 2025-26 सत्र (पिछले सत्र) के लिए ओपनिंग रैंक 952 थी, इसलिए आने वाले सत्र के लिए ओपनिंग रैंक में सुधार की उम्मीद है। इसी सत्र से संस्थान तीन नए यूजी प्रोग्राम भी शुरु कर रहा है।

प्रो. सुहास जोशी, निदेशक आईआईटी इंदौर

जिन्हें हैं विश्वास वे ले ड्रॉप

यदि जेईई एडवांस में मनचाही रैंक नहीं आती है तो छात्र अपनी रुचि के अनुसार किसी अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच का चयन कर सकते हैं। वहीं जिन विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन में सुधार का विश्वास है, उनके लिए एक वर्ष का ड्रॉप लेना भी बेहतर विकल्प हो सकता है। इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए केवल जेईई ही रास्ता नहीं है, बल्कि कई अन्य प्रवेश परीक्षाएं और संस्थागत अवसर भी उपलब्ध हैं, जिन पर छात्रों को ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कमल शर्मा, जेईई एक्सपर्ट